LOK SABHA

Friday April 7, 1978/Chaitra 17, 1900 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

राज्य व्यापार निगम द्वारा बम्बई तथा कांडला में भण्डारण-टैंक किराये पर लिया जाना

*637. **श्री राम सेवक हजारी** : क्या **वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या यह सच है कि राज्य व्यापार निगम ने बम्बई तथा काडला मे कास्टेक्स (एक सरकारी उपक्रम) के भडारण-टैंक सीधे ही इस उपक्रम से न लेकर एक प्राइवेट पार्टी के माध्यम से किराये पर लिये है जिसके फलस्वरूप यह बिचौलिया पार्टी प्रतिवर्ष लाखो रुपये का मुनाफा कमा रही है जो कि राज्य व्यापार निगम के खाते से जाता है , और

(ख) क्या राज्य व्यापार निगम ने दिल्ली में भी इसी प्राइवेट पार्टी को वित्तीय सहायता देकर बहुत अधिक रियायतो तथा विशिष्ट शर्तों पर इस पार्टी से भडारण-टैंक किराये पर लिये हैं जब कि अन्य मामलो में अन्य पार्टियो द्वारा विशेष अनुरोध किये जाने पर भी यह किसी को नही दी गई है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग) : (क) तथा (ख) : एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है :

विवरण

(क) 31-3-78 को राज्य व्यापार निगम की बम्बई और काडला मे लगभग 1 10 लाख मे० टन की कुल भण्डारण क्षमता मे से बम्बई और काडला मे कालटेक्स की (जो उस समय सरकारी क्षेत्र का उपक्रम नही था) लगभग 11,200 मे० टन और 19,000 मे० टन की भण्डारण क्षमता राज्य व्यापार निगम द्वारा जुलाई, 1975 और अगस्त, 1976 मे डिस्टिलर्स ट्रेडिंग कारपोरेशन (गैर सरकारी फर्म) से किराये पर ली गई थी और इस प्रकार उस की कुल टैंक-क्षमता 30,200 मे० टन हो गई थी । राज्य व्यापार निगम का इस प्रबन्ध मे डिस्टिलर्स ट्रेडिंग कारपोरेशन द्वारा किये गये लाभ के बारे मे जानकारी नही है । ये टैंक सीमित टैंडर जारी करके किराये पर लिये गये थे ।

(ख) जनवरी, 1977 मे राज्य व्यापार निगम को लगभग 5 लाख मे० टन खाद्य तेल का व्यापक आयात कार्यक्रम आरम्भ करना था और निगम को खास तौर से उत्तरी भारत मे, जहा दिसम्बर 1976 के अन्त मे केवल 5,325 मे० टन भण्डारण क्षमता थी, बहुत ही अल्प सूचना पर भण्डारण क्षमता का प्रबन्ध करना पडा ।

डिस्टिलर्स ट्रेडिंग कारपोरेशन से एक प्रस्थापना प्राप्त हुई थी जिसमे उन्होने 3-4 महीनों के समय के भीतर दिल्ली मे 4,200 मे० टन क्षमता के टैंको का निर्माण करने की

पेशकश की थी। उनकी प्रस्थापना पर विचार किया गया और राज्य व्यापार निगम के निदेश मण्डल के अनुमोदन से प्रश्नाधीन टैंकों के निर्माण के लिये फरवरी, 1977 मे उनको आशय पत्र जारी किया गया। फर्म की प्रस्थापना थी कि टैंक के निर्माण के लिये राज्य व्यापार निगम पेशगी दे जिसका समायोजन हैंडलिंग प्रभारो आदि से कर लिया जाये लेकिन फर्म ने उस पेशगी का लाभ नही उठाया है। टैंको का निर्माण उन्होंने अपने पैसे से किया और ये टैंक राज्य व्यापार निगम को किराये पर दे दिये गये हैं। जिस समय अतिरिक्त टैंक बनाने के सम्बन्ध मे मै० डिस्टिलर्स ट्रेडिंग कारपोरेशन की प्रस्थापना पर राज्य व्यापार निगम द्वारा विचार किया गया, जो एकमात्र दूसरी प्रस्थापना प्राप्त हुई थी उसमे पेशगी दे कर या दीर्घावधि आधार पर किराये पर ले कर टैंको के निर्माण का प्रस्ताव किया गया था। बाद वाला विकल्प स्वीकार किया गया।

31 मार्च 1978 को उत्तरी भाग मे 53,000 मे० टन की कुल क्षमता मे से 4 200 मे० टन की क्षमता डिस्टिलर्स ट्रेडिंग कारपोरेशन से ली गई है।

श्री राम सेवक हजारी : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न साफ है लेकिन जो सरकार की तरफ से जवाब आया है वह बहुत तोड मरोड कर दिया गया है। मैं ने पूछा था कि—

क्या यह सच है कि राज्य व्यापार निगम ने बम्बई तथा काडला मे काल्टेक्स (एक सरकारी उपक्रम) के भडारण-टैंक सीधे ही इस उपक्रम से न ले कर एक प्राइवेट पार्टी के माध्यम से किराये पर लिये है ....

इस का तोड-मरोड कर जवाब दिया गया है। मैं पूछना चाहता हू कि कालटेक्स को जब गवर्नमेंट ने ले लिया, 1975 मे यह प्राइवेट था, 1976 में सरकार ने अधिग्रहण कर लिया तो 1976 के बाद सरकार को सीधे ले लेना चाहिए था। फिर बीच मे बिचौलिये के साथ ऐग्रीमेट करने का क्या कारण था और यह ऐग्रीमेट किया गया तो 1976 से अभी तक कितने ऐग्रीमेट किए गए और कितने-कितने दिनों के लिए किए गए।

श्री आरिफ बेग : जैसा कि माननीय सदस्य ने स्पष्ट किया है, मैं आपके माध्यम से उन्हें बताना चाहता हू कि उस समय काल्टेक्स सरकारी कब्जे मे नही था और उस वक्त उसकी हैसियत सरकारी संस्था की नही थी जिस समय यह काट्रेक्ट किया गया। कालटेक्स का जितना भी स्टोरेज का टैंक था वह उस प्राइवेट फर्म के पास था लीज़ पर : और उस समय सरकार के आदेश के मुताबिक एस० टी० सी० को तत्काल यह व्यवस्था करनी थी, बडी मात्रा मे उन्हे टैंक स्टोरेज की व्यवस्था करनी थी इसलिए सीधे जिस फर्म के पास भी टैंक स्टोरेज थी उससे कांटेक्ट किया गया लेकिन जैसे-जैसे हमे सुविधा मिलती गई है हमने इस बात की कोशिश की है कि एस० टी० सी० स्वय अपनी स्टोरेज क्षमता बना ले। जैसे ही जनवरी, 1977 मे काल्टेक्स का राष्ट्रीयकरण हुआ, हमने जितने भी सम्बन्ध किए है, सीधे काल्टेक्स से किए है। इसके बाद जितना भी हम काम कर रहे है उसमे इस बात की कोशिश की जा रही है कि अब किसी भी प्राइवेट फर्म से न ले बल्कि एस० टी० सी० स्वय की इतनी क्षमता बना लें कि हम अपनी जनता की आवश्यकताओं को पूरा कर सके।

श्री राम सेवक हजारी : मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि जब आपने सीधे काल्टेक्स से ले लिया तो फिर इसमे बिचौलियों को लेने का क्या कारण है? इसमे 77 लाख रुपए प्रति वर्ष का घोटाला होता है और करोड़ो रूपया गवर्नमेंट का जा रहा है तथा इसमे बड़े बड़े अधिकारियो का हाथ है। मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जब आपने काल्टेक्स के टैंकरो को ले लिया तो फिर अधिग्रहण के बाद इसको क्यो नही लिया, अगर नही लिया तो उसका क्या कारण है?

इसके अलावा मैं जानना चाहता हूं कि इस बीच में आप जो हैंडलिंग करने जा रहे हैं उसके लिए क्या आप टेंडर करेंगे ?

श्री आरिफ बेग : जैसा कि मैंने स्पष्ट आपके सामने निवेदन किया, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि यह जो स्टोरेज टैंक्स हैं कास्टेक्स के कब्जे में उनको किसी इंडिवीजुअल से कांटैक्ट करने का सवाल नहीं है लेकिन जैसा आपने कहा इस सिलसिले में कुछ गलतियां हुई हैं, अगर आप स्पेसिफिक बतायेंगे तो उस पर हम ऐक्शन भी लेंगे ।

श्री एम० राम गोपाल रेड्डी : अध्यक्ष महोदय, मंत्रिगण हमेशा यह जवाब देते हैं कि सदस्य स्पेसिफिक बतायें, मैं पूछना चाहता हूं कि जो कुछ बताया गया है वह क्या आपके वास्ते काफी नहीं है ? क्या सदस्यगण सी आई डी का काम करें, जो हम आपको सूचना देते हैं उसके आधार पर उसकी तह में जाकर आप क्यों नहीं देखना चाहते हैं आप सदस्य के ऊपर भार क्या डालना चाहते हैं ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री (श्री मोहन धारिया) : यह जो सवाल आया है इस पर हमने विचार किया था । मैं यह कहना चाहता हूं कि एस टी सी की तरफ से जिस वक्त हमने तेल लेने का इन्तजाम किया तो हमें जरूरत थी कि हमारे पास हमारे गोडाउन्स रहें । आज हाउस को खुशी होगी कि एस टी सी के पास लगभग 2 लाख 50 हजार टन तेल रखने का इन्तजाम हमने किया है । जो कालटेक्स कम्पनी थी उसने कुछ प्राइवेट लोगों के पास से लीज पर लिया था और जो प्राइवेट लोगों के हैं, जिनकी उनके पास लीज थी, जब तक वे लोग वहां हैं हम उनको हटा नहीं सकते हैं फिर भी हमारी कोशिश है कि हम डायरेक्ट लें । हमने एडवर्टीजमेन्ट किया था और हमने बराबर खयाल रखा है, हैंडलिंग चार्जेज मिलाकर 25 रुपए प्रति टन प्रति माह से ज्यादा कहीं भी किराया नहीं लिया जाता है । आप बम्बई के जायेंगे तो 40–50 रुपए से भी ज्यादा किराया गया है लेकिन हमने इसका खयाल रखा है । पोर्ट ट्रस्ट एथारिटी की तरफ से मद्रास, काण्डला और विशाखापत्तनम में हमें जगह मिली है 75 हजार टन तेल के स्टोरेज के लिए टैंक बनाने का काम एस० टी० सी करना चाहती हैं । हम किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहते है, हम आत्मनिर्भर होने चाहते हैं, लेकिन इस बीच में तो तेल कहीं-न-कहीं स्टोर करना पड़ेगा, इस लिये ऐसी व्यवस्था की है, इस में कोई गडबड की बात नहीं है ।

Air Flight from Chandigarh to Bhuntu (Kulu)

*638 SHRI DURGA CHAND Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Air India flight was used to operate during the summer from Chandigarh to Bhuntu (Kulu),

(b) the year of starting and stopping this flight, and

(c) when this flight is likely to be resumed in view of the pressing demand of the people concerned?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) 1976 के मानसून शुरू होने से पहले तक गर्मियों के दौरान चण्डीगढ से कुल्लू तक एयर इंडिया नहीं बल्कि इंडियन एयरलाइन्स अपनी उडान परिचालित करती रही ।

(ख) यह सेवा 1967 से 1976 में मानसून शुरू होने से पहले तक परिचालित की जाती रही ।

(ग) इंडियन एयरलाइन्स की कुल्लू के लिये विमान सेवा फिर से शुरू करने की फिलहाल कोई योजना नहीं है ।